13.01.25

Tender Heart High School, Sector-33 B, Chandigarh

कक्षा - नौवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण - नौ एवं दस

उपविषय : लिंग परिवर्तन

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ, दस की पृष्ठ संख्या-37 पर दिए 'लिंग-परिवर्तन' का अध्ययन करेंगे।

बच्चो! लिंग-परिवर्तन' प्रथम सत्र में आपको एक से दस तक करवा दिए गए हैं। आज हम आगे के सभी लिंग-परिवर्तन पढ़ेंगे। आप सभी इस कार्य को अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।

बच्चो! संज्ञा विकारी शब्द हैं। संज्ञा के रूप तीन-कारणों से बदलते हैं :- लिंग से, वचन से, कारक से। हिन्दी भाषा में दो ही लिंग माने जाते हैं :-

(क) पुलिंग (ख) स्त्रीलिंग

(क) पुलिंग - शब्द के जिस रूप से किसी वस्तु या प्राणी की पुरुष जाति का बोध्य होता है, उसे 'पुलिंग' कहते हैं। जैसे : कुम्हार, सुनार, बंदर, मोर, लेखक आदि।

(ख) स्त्रीलिंग - शब्द के जिस रूप से किसी वस्तु या प्राणी की स्त्री जाति का बोध होता है, उसे 'स्त्रीलिंग' कहते हैं। जैसे : कुम्हारिन, सुनारिन, बंदरिया, मोरनी, लेखिका आदि।

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण ('लिंग - परिवर्तन')

केवल पुल्लिंगवाची शब्द : खटमल, कीड़ा, मच्छर, बिच्छू, तोता, कौआ, बाज, पक्षी, कछुआ, गरुड, चीता, गैंडा, खरगोश, पशु, भेड़िया, गीदड़ आदि।
केवल स्त्रीलिंगवाची शब्द : कोयल, चील, गिलहरी, मछली, छिपकली, तितली, मैना, मकड़ी, मक्खी, दीमक, सती, संतान, नर्स, सवारी, सुहागिन आदि।

उपर्युक्त पुल्लिंगवाची अथवा स्त्रीलिंगवाची शब्दों का लिंग परिवर्तन करने के लिए पुल्लिंग से पूर्व 'नर' और स्त्रीलिंग से पूर्व 'मादा' शब्द का प्रयोग करना चाहिए। जैसे :- नर मच्छर, मादा मच्छर, नर भेड़िया, मादा भेड़िया आदि।

डॉक्टर, मैनेजर, सभापति, मंत्री, राजदूत, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, आदि पदवाची शब्द में लिंग परिवर्तन की समस्या नहीं है। इनमें पदधारी चाहे पुरुष हो अथवा स्त्री इनका लिंग परिचय क्रिया से ही किया जाता है। जैसे :-

राष्ट्रपति गए (पुल्लिंग) राष्ट्रपति गईं (स्त्रीलिंग)
प्रधानमंत्री आए (पुल्लिंग) प्रधानमंत्री आईं (स्त्रीलिंग)
डॉक्टर गए (पुल्लिंग) डॉक्टर आईं (स्त्रीलिंग)

एक ही वस्तु के दो नाम भिन्न-भिन्न लिंगों में हो सकते हैं। जैसे नेत्र (पुल्लिंग), आँख (स्त्रीलिंग), ग्रंथ (पुल्लिंग), पुस्तक (स्त्रीलिंग), पत्र (पुल्लिंग), चिट्ठी (स्त्रीलिंग) आदि।

बच्चो! अब पृष्ठ संख्या 214 पर दिए लिंग-परिवर्तन पर चर्चा करेंगे।

(iii) 'ता' के स्थान पर 'त्री' लगाकर जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
दाता	दात्री	नेता	नेत्री
कर्त्ता	कर्त्री	भर्ता	भर्त्री
अभिनेता	अभिनेत्री	रचयिता	रचयित्री
विधाता	विधात्री	ग्रंथकर्ता	ग्रंथकर्त्री

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण (लिंग - परिवर्तन)

(12) कई शब्दों के स्त्रीलिंग रूप उनके पुल्लिंग रूपों से बिल्कुल भिन्न होते हैं जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
राजा	रानी	कवि	कवयित्री
बैल	गाय	वर	वधू
पुरुष	स्त्री	ससुर	सास
विद्वान	विदुषी	वीर	वीरांगना
विधुर	विधवा	ननदोई	ननद
बहनोई	बहन	सम्राट	सम्राज्ञी
साधु	साध्वी	युवक	युवती
साला	सलहज	बुआ	फूफा

(13) कुछ शब्दों में स्त्रीलिंग और पुल्लिंग का अंतर करने के लिए 'मादा' या 'नर' जोड़ दिया जाता है। जैसे - 'मादा मक्खी', नर मक्खी आदि।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नर कोयल	मादा कोयल	नर तोता	मादा तोता
नर मगरमच्छ	मादा मगरमच्छ	नर भेड़िया	मादा भेड़िया
नर खरगोश	मादा खरगोश	नर कौआ	मादा कौआ
नर चीता	मादा चीता	नर मक्खी	मादा मक्खी

(14) कुछ शब्द सदा पुल्लिंग होते हैं जैसे - मच्छर, खटमल, चीता, बिच्छू, गरुड़, कछुआ, बाज, गैंडा, खरगोश, पशु, पक्षी आदि।

(15) कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे - मक्खी, गिलहरी, मैना, तितली, मछली, दीमक, कोयल आदि।

(16) नदियों के नाम प्राय: स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे - गंगा, यमुना, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी आदि। ब्रह्मपुत्र अपवाद है।

बच्चो! आज हमने सभी लिंग-परिवर्तन का अध्ययन कर लिया है। आप सभी इन्हें पुन: दोहराएँगे व अपनी-अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।

कक्षा - नौवीं शिक्षिका- श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय- हिन्दी व्याकरण (लिंग-परिवर्तन)

गृहकार्य

सभी छात्र पृष्ठ संख्या-219 पर दिए लिंग-परिवर्तन ग्यारह से सोलह तक अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे एवं पृष्ठ संख्या-220 पर दिए अभ्यास के प्रश्न 1, 2 एवं 3 को भी अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे एवं याद करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]